# PAPER-III
# PERFORMING ART

**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________
2. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.___________________________________

(In words)

| D | 6 | 5 | 1 | 0 |
|---|---|---|---|---|

Time : 2 $^1/_2$ hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **19**

## Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   **No Additional Sheets are to be used.**
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

## परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

## PERFORMING ARTS
## रंगमंचीय कलाएँ

## PAPER – III
## प्रश्नपत्र – III

**Note :** This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

## SECTION – I

## खंड – I

**Note :** This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

**नोट :** इस खंड में **बीस–बीस** (20) अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पाँच सौ** (500) शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. "Dance is affected by the diverse kinds of Temporal and Spatial aspects of performance." Answer in detail with examples in the historical perspective.
"प्रस्तुतीकरण के विभिन्न प्रकार के कालिक तथा स्थानिक पहलुओं से नृत्य प्रभावित होता है ।" इतिहास को प्रमाण रखते हुए सविस्तार से उदाहरण सहित लिखें ।

**OR / अथवा**

How the experimental meaningful theatre movement can survive the onslaught of commercial theatre and media ? Discuss at a length.
वाणिज्यिक रंगमंच तथा मीडिया के घातक प्रहार के बावजूद प्रायोगिक सार्थक रंगमंच आन्दोलन किस प्रकार टिका रह सकता है ? विस्तृत विवेचन कीजिए ।

2. “The Indian Classical dance demands complete submission and surrender by the student to his/her guru ? Do you agree ? Discuss.
“भारतीय शास्त्रीय नृत्य छात्रों द्वारा अपने गुरु के प्रति सम्पूर्ण समर्पण तथा अभ्यर्पण की मांग करता है ।” क्या आप सहमत हैं ? विवेचना कीजिए ।

**OR / अथवा**

Does the technological advancement help the theatre for enhancement ? Discuss at a length.
क्या प्रौद्योगिकीय प्रगति रंगमंच की अभिवृद्धि में सहायक है ? विस्तृत विवेचन कीजिए ।

## SECTION – II
## खंड – II

**Note :** This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन** (3) प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल **एक** ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के **तीनों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह** (15) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ** (300) शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

### Elective – I
### ऐच्छिक – I
### DANCE
### नृत्य

3. In recent years a lot of workshops, summer camps etc., of 2-21 days are organised by various dance institutions and individual teachers. How are they useful ? Support your answer with examples. Have you participated in any ?
हाल के वर्षों में अनेक नृत्य-संस्थानों तथा व्यक्तिगत शिक्षकों द्वारा 2-21 दिनों की अवधि वाले अनेकों कार्यशालाओं तथा ग्रीष्मकालीन शिविरों का आयोजन किया गया है । ये किस प्रकार उपयोगी हैं ? अपने उत्तर को उदाहरणों सहित पुष्ट कीजिए । क्या आपने इस प्रकार के किसी आयोजन में भाग लिया है ?

4. If you are asked to choreograph for the opening ceremony of Commonwealth Games held in Delhi in October 2010, what would you do ? (Duration of ceremony 35 mins.)
यदि आपको दिल्ली अक्टूबर 2010 में आयोजित हुए कॉमनवेल्थ गेम्स के उद्घाटन समारोह के लिए कोरियोग्राफ करने के लिए कहा जाता तो आप क्या करते / करतीं ? (समारोह की अवधि 35 मिनटों की है ।)

5. What is the difference in dance pedagogy pre and post independence ? Describe.
भारत में स्वतंत्रता पूर्व तथा स्वातंत्र्योत्तर काल में नृत्य शिक्षण पद्धति के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए ।

**OR / अथवा**

### Elective – II
### ऐच्छिक – II
### DRAMA / THEATRE
### नाटक / रंगमंच

3. 'Each actor has to evolve his own style of acting after studying various schools of acting.' Justify the statement.
'प्रत्येक अभिनेता को, अभिनय के विभिन्न सम्प्रदायों का अध्ययन कर, अभिनय की अपनी स्वयं की शैली विकसित करनी होती है ।' – इस कथन को तर्क द्वारा सिद्ध कीजिए ।

4. 'The director's task is to go beyond the text.' Do you agree ? Why ? Answer with proper examples.
'एक निर्देशक को मूल - पाठ से ऊपर उठना होता है ।' क्या आप सहमत हैं ? क्यों ? अपना उत्तर उपयुक्त उदाहरणों के साथ लिखिए ।

5. The traditional theatre forms are the best example of Total Theatre. Justify giving specific examples.
पारंपरिक रंगमंच-रूप पूर्ण रंगमंच के सर्वोत्तम उदाहरण हैं । विशिष्ट उदाहरणों के साथ इसे तर्कसिद्ध कीजिए ।

## SECTION – III
## खंड – III

**Note :** This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

Answer the questions according to your specialization.

**नोट :** इस खंड में **दस-दस** (10-10) अंकों के **नौ** (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास** (50) शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

अपनी विशेषज्ञता वाले विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए ।

## DANCE
## नृत्य

6. Write about the social relevance of themes from Mahabharata in modern times for dance.

   आधुनिक काल में महाभारत में वर्णित विषय-वस्तुओं की सामाजिक प्रासंगिकता के बारे में लिखिए ।

7. List the four “Vritti-s”, describe four “Pravritti-s” and define Nātyadharmi as per Nātyashastra.

नाट्यशास्त्र के अनुसार चार वृत्तियों की सूची दीजिये, चार प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिये और नाट्यधर्मी की परिभाषा लिखिये ।

8. Describe any five hand gestures from Abhinaya Darpana with their usages as adopted in your dance style.

अपनी नृत्य शैली में आपके द्वारा अपनाई गई अभिनय दर्पण की किन्हीं पाँच हस्त मुद्राओं का वर्णन उनके उपयोग के साथ कीजिए ।

9. Describe in detail each constituent of “Rasā-sutra” as given in the Nātyashāstra. What is “Rasā-Nishpatti” ?
नाट्यशास्त्र में दिये ‘रस-सूत्र’ के प्रत्येक संघटक का विस्तृत वर्णन करें । ‘रस-निष्पत्ति’ क्या है ?

10. Highlight the importance of “Dhatu” and “Mātu” in musical compositions rendered in dance.
नृत्य में संगीतात्मक संयोजन में ‘धातु’ तथा ‘मातु’ का क्या महत्त्व है ?

11. Write short notes on
(A) Gotipua
(B) Gita-Govinda Paintings
निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :
(A) गोटीपुआ
(B) गीत-गोविंद के चित्र (पेंटिंग्स)

12. Differentiate Kabuki from Kathakali.
काबुकी तथा कथकली के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए ।

13. Does the inter-relationship of dance and sculpture stand true with "Modern" dance and sculpture as well ? Answer with examples.
नृत्य तथा मूर्तिकला के बीच का अंत:संबंध क्या आधुनिक नृत्य तथा मूर्तिकला के लिए भी सही है ? सोदाहरण लिखें ।

14. What dance movements you will teach to the children between the ages of 7 – 12 ? Why ?
7-12 वर्ष के बीच वाले बच्चों को आप कौन से नृत्य का हलन-चलन सिखाएँगे ? क्यों

**OR / अथवा**

## DRAMA / THEATRE
## नाटक / रंगमंच

6. Write in detail about a traditional theatrical form which uses Ramayana.
उस पारंपरिक रंगमंचीय स्वरूप के बारे में विस्तारपूर्वक लिखिए जिसमें रामायण का प्रयोग होता है ।

7. Define Bhava, Vibhava, Anubhava and Vyabhichari Bhava as per the Nātyashastra.
नाट्यशास्त्र के अनुसार भाव, विभाव, अनुभाव तथा व्यभिचारी भाव को परिभाषित कीजिए ।

8. Which are the types of Play-Houses as described in the Nātyashastra ? Write about their salient features.
नाट्यशास्त्र में दिये गये विवरण के अनुसार नाट्य-गृहों के प्रकार बताइए । उनकी प्रमुख विशेषताओं के बारे में लिखिए ।

9. Define Nātyadharmi and Lokdharmi and list the four Vrittis.
नाट्यधर्मी तथा लोकधर्मी की परिभाषा लिखिए तथा चार वृत्तियों की सूची दीजिए ।

10. Write the contribution of Shri Ramamurthi to theatrical light design.
रंगमंचीय प्रकाश अभिकल्प के क्षेत्र में श्री राममूर्त्ति के योगदान के बारे में लिखिए ।

11. Write short notes on :

(a) Nandikar Theatre Festival

(b) Satyadev Dubey

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(a) नांदिकार थियेटर फेस्टिवल

(b) सत्यदेव दुबे

12. Critically evaluate “Nāgamandala” of Girish Karnad.
गिरीश कर्नाड के ‘नागमण्डल’ का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

13. Write about any 2 puppet theatre forms from S.E.A.
एस.ई.ए. के किन्हीं दो पपेट थियेटर स्वरूपों के बारे में लिखिए ।

14. Describe any two contemporary plays which are women centric.
किन्हीं दो समसामयिक नाटकों का विवरण दीजिए जो नारी-केंद्रित हैं ।

## SECTION – IV
## खंड – IV

### DANCE / नृत्य

**Note :** This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words. Answer the questions according to your specialization. **(5 × 5 = 25 Marks)**

**नोट :** इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस** (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** (5) अंकों का है । अपनी विशेषज्ञता वाले विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए । **(5 × 5 = 25 अंक)**

In the days of yore classical dances were confined to a particular practising community and they had a professional touch about them. A Devadasi, knew only dance and its affiliated aspects like music, percussion and stringed instruments, mythology etc. The Araimandi posture in Bharatanatyam which is the basic stance as without that foundation the entire edifice will crumble. This posture has almost receded into oblivion thanks to the short-cut courses adopted by practitioners. In order that art be perfected, they had to learn music and the languages they were composed to evoke meaningful abhinaya. A Pandit taught them puranas. They were imparted training in at least one instrument. All these made them accomplished dancers. Classical dance and music is a lifetime affair. There should be total involvement, constant endeavour in search of new horizons, of course with the framework of classical grammar and constant practice.

प्राचीन काल में शास्त्रीय नृत्य एक व्यावसायिक समुदाय-विशेष तक ही परिसीमित था तथा इसके विषय में उनमें एक व्यावसायिक पुट था । एक देवदासी केवल नृत्य तथा उससे संबद्ध पहलुओं, जैसे संगीत, समाघात, तंत्र-वाद्यों, पौराणिक कथाओं आदि के बारे में जानती थी । भरतनाट्यम में अरइमंडी भंगिमा जो एक आधारभूत भंगिमा है, के अभाव में प्रदर्शन-रूपी संपूर्ण भवन की नींव बिखर जायेगी । नृत्यांगनाओं द्वारा सरलीकृत छोटे तरीके अपनाये जाने के कारण यह भंगिमा विस्मृति के गह्वर में लगभग विलुप्त हो गई है । इस कला में पारंगत होने तथा सार्थक अभिनय को उत्पन्न करने के लिए उन्हें संगीत को तथा रचना की भाषा को सीखना पड़ा । एक पंडित उन्हें पुराण पढ़ाता था । उन्हें कम-से-कम एक वाद्य में प्रशिक्षित किया जाता था । इन सभी ने उन्हें नृत्यांगना बनाया । शास्त्रीय नृत्य तथा संगीत के लिए पूरे जीवनभर की साधना चाहिए । इसके लिए शास्त्रीय नियमों के प्रावधानों के अंतर्गत एकनिष्ठ अभ्यास के साथ संपूर्ण समपृक्तता तथा नये क्षितिज को हासिल करने के लिए एकनिष्ठ प्रयास की आवश्यकता होती है ।

15. Which was the practising community of the days of yore.
प्राचीन काल में शास्त्रीय नृत्य का व्यावसायिक समुदाय कौन था ?

16. What were they trained in ?
वे किसमें प्रशिक्षित होते थे ?

17. What is the correct basic stance ?
सही आधारभूत भंगिमा क्या है ?

18. What made them accomplished dancers ?
किन कारकों ने उन्हें निपुण नृत्यांगना बनाया ?

19. What should be the attitude of dancers today ?
कला के प्रति आज की नृत्यांगनाओं की क्या मनोवृत्ति होनी चाहिए ?

**OR / अथवा**

**DRAMA / THEATRE**

नाटक / रंगमंच

**Image Theatre**

Here the spectator has to participate more directly. He is asked to express his views on a certain theme of common interest that the participants wish to discuss. Theme can be far-reaching, abstract – as, for example, imperialism – or it can be a local problem such as the lack of water, a common occurrence in all the barrios. The participant is asked to express his opinion, but without speaking, using only the bodies of the other participants and "sculpting" with them a group of statues, in such a way that his opinion and feelings become evident. The participant is to use the bodies of the others as if he were a sculptor and others were made of clay; he must determine the position of each body down to the most minute details of their facial expressions. He is not allowed to speak under any circumstances. The most that is permitted to him is to show with his own facial expressions what he wants the statue – spectator to do. Discussion with other participants follow this to determine if all agree with his "sculpted" opinion. Modifications can be rehearsed. Finally there is "actual image", "the ideal image" and "a transitional image". These show how it would be possible to pass from one reality to the other. In other words, how to carry out the change, the transformation, the revolution, or whatever term one wishes to use.

– "Augusto Boal"

**इमेज थियेटर**

यहाँ दर्शक की अधिक प्रत्यक्ष सहभागिता होती है । उसे सामान्य रुचि के एक ऐसे विषय पर अपने विचार अभिव्यक्त करने के लिए कहा जाता है जिस पर विचार-विमर्श की इच्छा वहाँ विद्यमान सहभागी रखते हों । वह विषय व्यापक तथा भावात्मक हो सकता है – जैसे साम्राज्यवाद – अथवा वह एक स्थानीय समस्या हो सकती है, जैसे 'पानी की कमी', जो सभी 'बैरियोज' में एक सर्व-सामान्य घटना है । किसी एक सहभागी से उसके अपने विचारों को अभिव्यक्त करने के लिए कहा जाता है । उसे अपने विचारों की अभिव्यक्ति शब्दों द्वारा नहीं बल्कि अन्य सहभागियों के शरीर का उपयोग कर तथा उन्हें मूर्तियों के एक समूह के रूप में स्थापित कर इस रीति से करना होता है जिससे उस विषय पर उसके विचार तथा भावनाएँ स्पष्ट हो जाएँ । सहभागी को अन्य लोगों के शरीर का उपयोग इस प्रकार करना होता है जैसे कि वह कोई मूर्तिकार हो तथा अन्य लोग मिट्टी के बने पुतले हों । उसे प्रत्येक शरीर की स्थिति इस प्रकार से निर्धारित करनी होती है जिससे उस शरीर की मुखाकृति पर प्रदर्शित सूक्ष्म भावों के विवरण का सामंजस्य हो । किसी भी स्थिति में उसे बोलने की अनुमति नहीं होती । अधिक से अधिक उसे इसकी अनुमति होती है कि वह अपनी स्वयं की मुखाकृति से उस भाव को दर्शाए जिसकी अभिव्यक्ति वह उस शरीर की मुखाकृति के माध्यम से प्रदर्शित करना चाहता है । इसके बाद अन्य सहभागियों से इस पर विचार-विमर्श किया जाता है कि क्या वे सभी उसकी 'मूर्ति-प्रदर्शित' राय से सहमत हैं । इसमें परिष्कार या संशोधन के लिए रिहर्सल किया जा सकता है ।

अंततः 'ऐक्चुअल इमेज', 'दि आइडियल इमेज' तथा 'ट्रांज़िशनल इमेज' उत्पन्न होता है । ये सब दर्शाते हैं कि एक वास्तविकता से दूसरी वास्तविकता तक गुजरना कैसे सम्भव है । अन्य शब्दों में परिवर्तन, कायापलट, क्रांति – या इनके स्थान पर कोई अन्य शब्द जिसका प्रयोग कोई करना चाहे – को कैसे लाया जाय ।

– "अगस्तो बोऑल"

15. August Boal is from which country ? Name his famous treaties on the modern theatre.
अगस्तो बोऑल किस देश के वासी थे ? आधुनिक रंगमंच पर उनके प्रसिद्ध ग्रंथ का नाम बताएँ ।

16. How does the spectator participate in "the Image Theatre" ?
'इमेज थियेटर' में दर्शक किस प्रकार सहभागिता कर सकता है ?

17. What kind of themes are often used for the Image Theatre ?
इमेज थियेटर के लिए बहुधा किस प्रकार के विषयों का उपयोग किया जाता है ?

18. How does the participant ask to express his opinion ?
सहभागियों से उनकी अपनी राय किस प्रकार देने को कहा जाता है ?

19. What are the stages of transformation or revolution in the Image theatre ?
इमेज थियेटर में कायापलट या क्रांति की अवस्थाएँ क्या हैं ?

**Space For Rough Work**

| FOR OFFICE USE ONLY | |
|---|---|
| Marks Obtained | |
| Question Number | Marks Obtained |
| 1 | |
| 2 | |
| 3 | |
| 4 | |
| 5 | |
| 6 | |
| 7 | |
| 8 | |
| 9 | |
| 10 | |
| 11 | |
| 12 | |
| 13 | |
| 14 | |
| 15 | |
| 16 | |
| 17 | |
| 18 | |
| 19 | |

Total Marks Obtained (in words) ..........................................

(in figures) ........................................

Signature & Name of the Coordinator ..................................

(Evaluation) Date .........................